

पी.एम. मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परधान योजना के अंतर्गत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना

चर्चा में क्यों?

14 फरवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश की मंत्रपरिषद ने पी.एम. मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परधान (पी.एम. मतिर) योजना के अंतर्गत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना एवं भूमि हस्तांतरण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। साथ ही, मंत्रपरिषद ने योजना में किसी प्रकार के संशोधन के लिये मुख्यमंत्री को अधिकृत किया है।

प्रमुख बंदि

- मंत्रपरिषद के इस नरिणय के अंतर्गत जनपद हरदोई की सीमा के अंदर का कुछ भाग तथा (ग्राम आटगढ़ी सौरा, ग्राम अटारी, ग्राम रूदानखेड़ा, ग्राम वशिुनपुर, ग्राम जदिना, ग्राम पाराभदराही, ग्राम सालेहनगर, ग्राम शाहमऊ) ग्राम व तहसील मलहिाबाद, जनपद लखनऊ के कुल 72 गाटे रकबा 418.075 हेक्टेयर (1033.082 एकड़) भूमि पर पी.एम. मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परधान (पी.एम. मतिर) योजना के अंतर्गत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना प्रस्तावति है।
- इस भूमि को चनिहति करते हुए इसमें से हरदोई जनपद की 259.09 एकड़ तथा लखनऊ 903.07 एकड़ कुल भूमि 1162.16 एकड़ में से 1000 एकड़ भूमि निःशुल्क हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग वभिाग को हस्तांतरति/अधगिरहण कया जाएगा।
- इस टेक्सटाइल पार्क के क्रयानवयन हेतु एक स्पेशल परपज व्हकिल (एस.पी.वी.) का गठन कया जाएगा। इसके लयि 10 करोड़ रुपये (पेडअप कैपटिल) की व्यवस्था की जाएगी, जसिमें 51 प्रतिशत अंश उत्तर प्रदेश सरकार तथा 49 प्रतिशत अंश भारत सरकार का होगा।
- स्पेशल परपज व्हकिल का गठन कंपनी एक्ट-2013 के अंतर्गत होगा। एस.पी.वी. में अपर मुख्य सचवि/परमुख सचवि, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग वभिाग, उत्तर प्रदेश शासन मुख्य कारयकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) तथा सचवि, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दलिली अध्यक्ष (चेयरमैन) होंगे।
- टेक्सटाइल पार्क हेतु एस.पी.वी. का गठन करके संबंघति भूमि एस.पी.वी. को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इसके उपरांत मास्टर डेवलपर का चयन करके अग्रेतर कारयवाही कराई जाएगी।
- भारत सरकार के द्वारा दयि गए अनय दशिा-नरिदेशों का पालन करते हुए पी.पी.पी. मोड पर टेक्सटाइल पार्क को वकिसति कया जाएगा। इस परयोजना पर लगभग 1200 करोड़ रुपये व्यय होने का अनुमान है।